राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति की अध्यक्षता में कुलपतियों की बैठक आज राजभवन में सम्पन्न हुई

पटना, 09 जनवरी 2020

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में आज राजभवन में राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा–बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा एवं राजभवन के वरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने कहा कि नये वर्ष में उच्च शिक्षा के सुधार–प्रयासों में और अधिक तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय–स्तर पर समीक्षा–तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किये जाने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न वरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों/एफ्लीएटेड कॉलेजों/बी॰एड॰ कॉलेजों आदि का पर्यवेक्षण किए जाने से वहाँ के क्रियाकलापों में नियमितता विकसित होगी। राज्यपाल ने महाविद्यालयों की गतिविधियों के नियमित अनुश्रवण के लिए एक तंत्र विकसित करने के लिए भी आवश्यक निदेश प्रदान करते हुए इस दिशा में शीघ्र परिपत्र जारी करने के लिए अपर मुख्य सचिव को कहा।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयीय विभागों एवं महाविद्यालयों में विभागवार/विषयवार शिक्षकों की रिक्तियों एवं छात्रों के नामांकन का आकलन किया जाना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि जिन विषयों के अध्ययन के प्रति छात्रों की ज्यादा रूझान है, उनमें शिक्षकों की पर्याप्तता होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति के क्रम में 'युक्तिकरण' (Rationalization) का ध्यान रखा जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि ऐसा देखा जा रहा है किसी–किसी विषय में काफी अधिक संख्या में छात्र नामांकित हैं जबकि संबंधित विषय के शिक्षकों की वहाँ कमी है। दूसरी ओर किसी–किसी विषय में निर्धारित संख्या से काफी कम छात्र–नामांकन होने के बावजूद वहाँ अनुपाततः अधिक शिक्षक कार्यरत हैं। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि 'युक्तिकरण' के कार्य को वर्तमान समय की माँग, छात्रों की अभिरूचि और उनकी नामांकन संख्या के अनुरूप निष्पादित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि बी॰एड॰ में नामांकन हेतु आयोजित होनेवाली 'कम्बाइंड इंटरेन्स टेस्ट', जो इस बार ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा आयोजित की जा रही है, उसमें 'कान्सिलिंग' एवं विद्यार्थियों के द्वारा 'च्वायस' देने की प्रक्रिया इस रूप में निर्धारित होनी चाहिए ताकि परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को नामांकन लेने में कोई असुविधा न हो तथा विभिन्न बी॰एड॰ कॉलेजों के निर्धारित सीटों पर सही ढंग से नामांकन भी हो जायें। राज्यपाल ने कहा कि 'कम्बाइंड इंटरेन्स टेस्ट' में अनुत्तीर्ण कोई छात्र किसी महाविद्यालय में नामांकित होकर बी॰एड॰ पाठ्यक्रम की परीक्षा में शामिल न हो पाए –यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि बिना 'कम्बाइंड इंटरेन्स टेस्ट (CET)' पास किए विद्यार्थियों के नामांकन लेनेवाले कॉलेजों के विरूद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

आगे पृष्ठ...2 पर

समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने पूर्वलंबित परीक्षाओं के निर्धारित कार्यक्रमानुसार संचालन पर संतोष व्यक्त किया एवं कहा कि वर्तमान शैक्षणिक–सत्र में जून, 2020 के पहले सभी पूर्वलंबित परीक्षाएँ लेते हुए सभी सत्र नियमित कर दिये जाने चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि बायोमैट्रिक उपकरणों का सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयीय विभागों में संस्थापन हर हालत में अविलंब सुनिश्चित किया जाना चाहिए तथा इनका सदुपयोग करते हुए प्राप्त उपस्थिति–विवरणी का सम्यक् अनुश्रवण भी होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि 'नैक–प्रत्ययन' की प्रक्रिया में भी तेजी लाने की जरूरत है। जिन विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का नैक–मूल्यांकन हो चुका है, उन्हें अपनी ग्रेडिंग–सुधार हेतु प्रयास करना चाहिए ताकि शिक्षण–संस्थानों को केन्द्रीय एजेन्सियों से समुचित वित्तीय सहायता उपलब्ध हो सके।

राज्यपाल ने अन्तर्विश्वविद्यालयीय क्रीड़ा–प्रतियोगिता 'एकलव्य' के त्रि–दिवसीय आयोजन के लिए 6,7 एवं 8 फरवरी, 2020 की तिथियाँ बैठक में ही निर्धारित कर दी एवं तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय को इसे सफलतापूर्वक आयोजित कराने का निदेश प्रदान किया।

समीक्षा बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कराने का भी निर्णय लिया गया। निर्णय के मुताबिक जनवरी, 2020 में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा 'नैक प्रत्ययन' पर कार्यशाला तथा जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा द्वारा स्वतंत्रता–संग्राम में महात्मा गाँधी की भूमिका पर क्वीज प्रतियोगिता एवं फरवरी, 2020 में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा 'कृषि प्रदर्शनी', मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा नई तकनीक एवं उपकरणों से जुड़ी 'अन्वेषक–प्रदर्शनी' तथा पटना विश्वविद्यालय द्वारा 'नेट पाठ्यक्रम' के अनुरूप स्नातकीय पाठ्यक्रमों के भी पुनरीक्षण हेतु कार्यशाला आयोजित करायी जाएगी। इसके लिए संबंधित विश्वविद्यालय तिथियाँ प्रस्तावित करेंगे। बैठक में जून, 2020 तक कुल 16 कार्यक्रम, जिनमें विभिन्न शैक्षणिक परियोजनाओं विषयक कार्यशालाओं/सम्मेलनों/सेमिनारों आदि के आयोजन शामिल हैं –आयोजित कराने पर सहमति बनी।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा कि महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति द्वारा प्रदान किए गए मार्ग–दर्शन के अनुरूप विश्वविद्यालय प्रशासन को उच्च शिक्षा के सुधार विषयक प्रयासों को तेजी से कार्यान्वित करना है।

.....